॥ गणेश स्तुति ॥

गाइये गनपति जगबंदन।

संकर-सुवन भवानी नंदन ॥ 1 ॥

गाइये गनपति जगबंदन।

सिद्धि-सदन, गज बदन, बिनायक।

कृपा-सिंधु, सुंदर सब-लायक ॥ 2 ॥

गाइये गनपति जगबंदन।

मोदक-प्रिय, मुद-मंगल-दाता।

बिद्या-बारिधि, बुद्धि बिधाता ॥ 3 ॥

गाइये गनपति जगबंदन।

मांगत तुलसिदास कर जोरे।

बसहिं रामसिय मानस मोरे ॥ 4 ॥

गाइये गनपति जगबंदन।

paramsoul.com